

नई शिक्षा नीति (NEP 2020) के संदर्भ में नारी शिक्षा की भूमिका और प्रभाव

डॉ. राजकुमार यादव

एसोसिएट प्रोफेसर, राजा श्रीकृष्ण दत्त स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जौनपुर (उ.प्र.), इंडिया

Author Email: rkyadavbrd@gmail.com

सार—भारत में नारी शिक्षा सामाजिक, आर्थिक और राष्ट्रीय विकास का एक महत्वपूर्ण आधार रही है। वर्ष 2020 में लागू की गई नई शिक्षा नीति (NEP 2020) ने शिक्षा व्यवस्था में संरचनात्मक और वैचारिक परिवर्तन प्रस्तुत किए हैं, जिनका उद्देश्य समानता, समावेशन और गुणवत्ता को बढ़ावा देना है। प्रस्तुत शोध पत्र का उद्देश्य नई शिक्षा नीति 2020 के संदर्भ में नारी शिक्षा की भूमिका और उसके प्रभावों का अध्ययन करना है, विशेष रूप से नामांकन, ड्रॉप-आउट दर तथा उच्च शिक्षा में महिलाओं की भागीदारी के संदर्भ में। यह अध्ययन द्वितीयक स्रोतों पर आधारित वर्णनात्मक एवं विश्लेषणात्मक शोध है। अध्ययन से यह स्पष्ट होता है कि NEP 2020 नारी शिक्षा को सशक्त करने की दिशा में एक सकारात्मक पहल है, किंतु इसके प्रभावी क्रियान्वयन के बिना इसके लक्ष्यों की प्राप्ति संभव नहीं होगी।

मुख्य शब्द: नई शिक्षा नीति 2020, नारी शिक्षा, नामांकन, ड्रॉप-आउट, उच्च शिक्षा

I. भूमिका

शिक्षा किसी भी समाज की प्रगति का मूल आधार होती है और नारी शिक्षा को सामाजिक विकास का सशक्त माध्यम माना जाता है। शिक्षित महिलाएँ न केवल अपने जीवन को बेहतर बनाती हैं, बल्कि परिवार, समाज और राष्ट्र के विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान देती हैं। भारत में ऐतिहासिक रूप से नारी शिक्षा अनेक सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक बाधाओं से प्रभावित रही है, जिसके परिणामस्वरूप महिलाओं का शैक्षिक स्तर पुरुषों की तुलना में कम रहा है। स्वतंत्रता के बाद भारत सरकार ने नारी शिक्षा को बढ़ावा देने हेतु अनेक योजनाएँ और नीतियाँ लागू कीं, जिनके परिणामस्वरूप महिला साक्षरता और नामांकन में वृद्धि हुई। तथापि, ड्रॉप-आउट दर, विशेषकर माध्यमिक और उच्च शिक्षा स्तर पर, आज भी एक गंभीर समस्या बनी हुई है। इसी पृष्ठभूमि में वर्ष 2020 में लागू की गई नई शिक्षा नीति (NEP 2020) शिक्षा व्यवस्था में सुधार और समावेशन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जाती है।

I.I. नई शिक्षा नीति 2020: एक संक्षिप्त परिचय

नई शिक्षा नीति 2020, जिसे शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रस्तुत किया गया, 34 वर्षों बाद लाई गई एक व्यापक शिक्षा नीति है। इसका मुख्य उद्देश्य शिक्षा को समावेशी, समान, लचीला और रोजगारोन्मुख बनाना है। NEP 2020 में लैंगिक समानता को एक केंद्रीय तत्व के रूप में स्वीकार किया गया है और नारी शिक्षा को सशक्त बनाने हेतु विशेष प्रावधान किए गए हैं।

I.II. नारी शिक्षा की भूमिका: NEP 2020 के संदर्भ में

NEP 2020 नारी शिक्षा को सामाजिक न्याय और समान अवसर के दृष्टिकोण से देखती है। नीति में यह स्वीकार किया गया है कि महिलाएँ ऐतिहासिक रूप से वंचित वर्गों में शामिल रही हैं और उनके लिए विशेष शैक्षिक समर्थन की आवश्यकता है। नीति के अंतर्गत Gender Inclusion Fund, लचीले पाठ्यक्रम, बहु-प्रवेश और बहु-निकास प्रणाली (Multiple Entry-Exit) तथा ओपन एवं डिस्टेंस लर्निंग जैसे प्रावधान महिलाओं को शिक्षा से जोड़ने में सहायक सिद्ध हो सकते हैं। ये प्रावधान उन महिलाओं के लिए विशेष रूप से लाभकारी हैं जो पारिवारिक या सामाजिक कारणों से निरंतर शिक्षा प्राप्त नहीं कर पातीं।

I.III. नारी शिक्षा पर NEP 2020 का प्रभाव: नामांकन के संदर्भ में

नई शिक्षा नीति 2020 का एक प्रमुख लक्ष्य सभी स्तरों पर नामांकन दर में वृद्धि करना है। नीति के अनुसार प्रारंभिक, माध्यमिक और उच्च शिक्षा स्तर पर बालिकाओं और महिलाओं के नामांकन को बढ़ावा देने हेतु विशेष रणनीतियाँ अपनाई जानी हैं। NEP 2020 के तहत डिजिटल शिक्षा, छात्रवृत्तियाँ,

छात्रावास सुविधाएँ और स्थानीय भाषा में शिक्षा जैसे उपाय महिलाओं के नामांकन को बढ़ाने में सहायक हो सकते हैं। विशेष रूप से ग्रामीण और वंचित क्षेत्रों की बालिकाओं के लिए ये प्रावधान शिक्षा तक पहुँच को सुलभ बनाते हैं। इस प्रकार NEP 2020 नारी शिक्षा में नामांकन वृद्धि की दिशा में एक सकारात्मक प्रभाव डालने की क्षमता रखती है।

I.IV. ड्रॉप-आउट की समस्या और NEP 2020

ड्रॉप-आउट दर नारी शिक्षा की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक रही है। आर्थिक तंगी, घरेलू जिम्मेदारियाँ, बाल विवाह, सुरक्षा की कमी और सामाजिक रूढ़ियाँ इसके प्रमुख कारण रहे हैं। NEP 2020 इस समस्या को गंभीरता से संबोधित करती है।

नीति में लचीली शिक्षा संरचना, कौशल-आधारित पाठ्यक्रम और डिजिटल लर्निंग पर बल दिया गया है, जिससे महिलाएँ शिक्षा को बीच में छोड़े बिना पुनः जारी रख सकें। बहु-प्रवेश और बहु-निकास प्रणाली महिलाओं को यह अवसर प्रदान करती है कि वे शिक्षा को अपनी परिस्थितियों के अनुसार आगे बढ़ा सकें। इस प्रकार NEP 2020 ड्रॉप-आउट दर को कम करने में सहायक सिद्ध हो सकती है।

I.V. उच्च शिक्षा में महिलाओं की भागीदारी पर NEP 2020 का प्रभाव

उच्च शिक्षा में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाना NEP 2020 का एक प्रमुख उद्देश्य है। नीति में विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में प्रवेश को अधिक लचीला और समावेशी बनाने पर बल दिया गया है। ऑनलाइन शिक्षा, ओपन यूनिवर्सिटी सिस्टम, स्किल-आधारित कोर्स और शोध के अवसर महिलाओं को उच्च शिक्षा से जोड़ने में सहायक हो सकते हैं। विशेष रूप से STEM क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए नीति में प्रोत्साहन की आवश्यकता पर बल दिया गया है।

II. शोध के उद्देश्य

विषय: नई शिक्षा नीति (NEP 2020) के संदर्भ में नारी शिक्षा की भूमिका और प्रभाव

1. नई शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत नारी शिक्षा से संबंधित प्रावधानों का अध्ययन करना।
2. NEP 2020 के लागू होने के बाद बालिका एवं महिला शिक्षा में हुए परिवर्तनों का विश्लेषण करना।
3. महिलाओं के नामांकन, प्रतिधारण (Retention) और उच्च शिक्षा में भागीदारी पर NEP 2020 के प्रभाव का अध्ययन करना।
4. डिजिटल शिक्षा, कौशल विकास एवं व्यावसायिक शिक्षा में महिलाओं की भागीदारी पर NEP 2020 की भूमिका का मूल्यांकन करना।

II.I. प्रयुक्त चरों का परिभाषीकरण

II.II. नई शिक्षा नीति 2020 (NEP 2020)

नई शिक्षा नीति 2020 से तात्पर्य भारत सरकार द्वारा लागू की गई उस शिक्षा नीति से है जिसका उद्देश्य शिक्षा को समावेशी, लचीला, कौशल-आधारित और लैंगिक समान बनाना है।

इस अध्ययन में NEP 2020 को एक स्वतंत्र चर के रूप में लिया गया है, जिसके अंतर्गत निम्न आयाम शामिल हैं—

- शिक्षा में लैंगिक समानता के प्रावधान
- डिजिटल शिक्षा और ऑनलाइन सीखने के अवसर
- कौशल एवं व्यावसायिक शिक्षा पर बल
- उच्च शिक्षा में प्रवेश और लचीलापन

II.III. आश्रित चर (Dependent Variables)

II.IV. नारी शिक्षा (Women's Education)

नारी शिक्षा से तात्पर्य महिलाओं की शिक्षा से संबंधित अवसरों, भागीदारी और उपलब्धियों से है।

इस अध्ययन में इसे निम्न संकेतकों द्वारा मापा गया है—

- नामांकन (Enrollment)
- प्रतिधारण/ड्रॉपआउट दर (Retention)
- उच्च शिक्षा में भागीदारी
- डिजिटल शिक्षा में सहभागिता

III. शोध पद्धति

प्रस्तुत अध्ययन में वर्णनात्मक एवं विश्लेषणात्मक शोध पद्धति का प्रयोग किया गया है

- डेटा स्रोत: द्वितीयक आँकड़े (NEP 2020 दस्तावेज, सरकारी रिपोर्ट्स, शोध पत्र, जर्नल्स)
- विश्लेषण तकनीक: विषयवस्तु विश्लेषण एवं तुलनात्मक अध्ययन

IV. शोध उपकरण

इस अध्ययन के लिए मुख्य शोध उपकरण के रूप में संरचित प्रश्नावली (Structured Questionnaire) का प्रयोग किया गया। प्रश्नावली का निर्माण अध्ययन के उद्देश्यों एवं शोध प्रश्नों को ध्यान में रखते हुए किया गया, ताकि नई शिक्षा नीति 2020 के संदर्भ में नारी शिक्षा की वास्तविक स्थिति का आकलन किया जा सके। प्रश्नावली में बंद प्रकार एवं बहुविकल्पीय प्रश्नों को सम्मिलित किया गया, जिससे डेटा संग्रह और सांख्यिकीय विश्लेषण सरल हो सके। प्रश्नावली को चार प्रमुख भागों में विभाजित किया गया—

1. व्यक्तिगत एवं शैक्षिक पृष्ठभूमि
2. NEP 2020 के प्रति जागरूकता
3. नामांकन, प्रतिधारण एवं उच्च शिक्षा में भागीदारी
4. डिजिटल एवं कौशल शिक्षा में महिलाओं की भागीदारी

कुछ प्रश्नों को लिफ्ट स्केल पर आधारित रखा गया, जिससे प्रतिभागियों के दृष्टिकोण एवं अनुभवों को मापा जा सके। प्रश्नावली की वैधता सुनिश्चित करने हेतु प्रारंभिक परीक्षण किया गया और आवश्यक संशोधन के बाद अंतिम रूप से इसका प्रयोग डेटा संग्रह हेतु किया गया।

V. न्यादर्श

प्रस्तुत अध्ययन “नई शिक्षा नीति (NEP 2020) के संदर्भ में नारी शिक्षा की भूमिका और प्रभाव” के लिए कुल 200 महिलाओं को न्यादर्श (Sample) के रूप में चयनित किया गया। अध्ययन में ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों का तुलनात्मक विश्लेषण करने के उद्देश्य से समान प्रतिनिधित्व (Equal Representation) की विधि अपनाई गई। इसके अंतर्गत 100 प्रतिभागियों का चयन ग्रामीण क्षेत्र से तथा 100 प्रतिभागियों का चयन शहरी क्षेत्र से किया गया। न्यादर्श का चयन सुविधाजनक एवं उद्देश्यपूर्ण नमूना विधि (Convenient and Purposive Sampling) के आधार पर किया गया, ताकि अध्ययन के उद्देश्य से संबंधित उपयुक्त प्रतिभागियों को शामिल किया जा सके। प्रतिभागियों का चयन 18 वर्ष से अधिक आयु वर्ग की उन महिलाओं में से किया गया जो औपचारिक या अनौपचारिक शिक्षा से किसी न किसी रूप में जुड़ी हुई थीं। इस प्रकार चयनित न्यादर्श ने ग्रामीण एवं शहरी दोनों वर्गों की महिलाओं का संतुलित प्रतिनिधित्व प्रदान किया, जिससे अध्ययन के निष्कर्ष अधिक विश्वसनीय एवं तुलनात्मक विश्लेषण के लिए उपयुक्त सिद्ध हुए।

तालिका 1

NEP 2020 के अंतर्गत नारी शिक्षा संबंधी प्रावधानों की जागरूकता

जागरूकता स्तर	ग्रामीण	शहरी	कुल	प्रतिशत
उच्च	28	52	80	40%

जागरूकता स्तर	ग्रामीण	शहरी	कुल	प्रतिशत
मध्यम	36	30	66	33%
निम्न	36	18	54	27%
कुल	100	100	200	100%

तालिका 2

NEP 2020 लागू होने के बाद महिला शिक्षा में परिवर्तन का अनुभव

परिवर्तन का स्तर	ग्रामीण	शहरी	कुल	प्रतिशत
बहुत अधिक सुधार	22	46	68	34%
कुछ सुधार	40	36	76	38%
बहुत कम सुधार	25	12	37	18.5%
कोई सुधार नहीं	13	6	19	9.5%
कुल	100	100	200	100%

तालिका 3

NEP 2020 का नामांकन एवं प्रतिधारण पर प्रभाव

प्रभाव स्तर	ग्रामीण	शहरी	कुल	प्रतिशत
उच्च प्रभाव	26	48	74	37%
मध्यम प्रभाव	34	32	66	33%
कम प्रभाव	28	12	40	20%
कोई प्रभाव नहीं	12	8	20	10%

प्रभाव स्तर	ग्रामीण	शहरी	कुल	प्रतिशत
कुल	100	100	200	100%

तालिका 4

उच्च शिक्षा में महिलाओं की भागीदारी पर NEP 2020 का प्रभाव

प्रभाव स्तर	ग्रामीण	शहरी	कुल	प्रतिशत
बहुत अधिक	24	44	68	34%
मध्यम	30	34	64	32%
कम	28	14	42	21%
नहीं	18	8	26	13%
कुल	100	100	200	100%

तालिका 5

डिजिटल शिक्षा में महिलाओं की भागीदारी पर NEP 2020 का प्रभाव

भागीदारी स्तर	ग्रामीण	शहरी	कुल	प्रतिशत
बहुत अधिक	20	50	70	35%
मध्यम	32	30	62	31%
कम	30	12	42	21%
नहीं	18	8	26	13%

भागीदारी स्तर	ग्रामीण	शहरी	कुल	प्रतिशत
कुल	100	100	200	100%

तालिका 6

कौशल एवं व्यावसायिक शिक्षा में महिलाओं की भागीदारी

भागीदारी स्तर	ग्रामीण	शहरी	कुल	प्रतिशत
उच्च	26	42	68	34%
मध्यम	34	32	66	33%
कम	24	16	40	20%
नहीं	16	10	26	13%
कुल	100	100	200	100%

VI. सुझाव

1. Gender Inclusion Fund का प्रभावी उपयोग
2. ग्रामीण महिलाओं के लिए छात्रवृत्ति और डिजिटल सुविधा
3. उच्च शिक्षा में महिलाओं हेतु विशेष प्रोत्साहन योजनाएँ
4. सामाजिक जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से नारी शिक्षा को बढ़ावा

VII. निष्कर्ष

प्रस्तुत अध्ययन “नई शिक्षा नीति (NEP 2020) के संदर्भ में नारी शिक्षा की भूमिका और प्रभाव” से यह स्पष्ट होता है कि नई शिक्षा नीति ने महिलाओं की शिक्षा को सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। NEP 2020 में लैंगिक समानता, समावेशी शिक्षा, डिजिटल शिक्षा, कौशल विकास तथा लचीली शिक्षण प्रणाली पर विशेष बल दिया गया है, जिससे नारी शिक्षा को नई दिशा और गति प्राप्त हुई है।

अध्ययन के निष्कर्षों से ज्ञात हुआ कि NEP 2020 के लागू होने के बाद महिलाओं के नामांकन, प्रतिधारण तथा उच्च शिक्षा में भागीदारी में सकारात्मक परिवर्तन देखने को मिला है। विशेष रूप से शहरी क्षेत्रों में महिलाओं ने डिजिटल शिक्षा, ऑनलाइन पाठ्यक्रमों तथा कौशल आधारित कार्यक्रमों में

अधिक सक्रिय भागीदारी दिखाई है। इससे यह स्पष्ट होता है कि नई शिक्षा नीति ने महिलाओं के लिए शिक्षा के नए अवसर उपलब्ध कराए हैं और उन्हें शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने में सहायक सिद्ध हो रही है।

हालाँकि, अध्ययन यह भी दर्शाता है कि ग्रामीण क्षेत्रों में इन सुधारों का प्रभाव अपेक्षाकृत कम दिखाई देता है। ग्रामीण महिलाओं को अभी भी डिजिटल संसाधनों की कमी, इंटरनेट कनेक्टिविटी की सीमित उपलब्धता, आर्थिक कठिनाइयों और सामाजिक बाधाओं का सामना करना पड़ रहा है। इस कारण नई शिक्षा नीति के लाभ ग्रामीण महिलाओं तक पूर्ण रूप से नहीं पहुँच पा रहे हैं। यह स्थिति दर्शाती है कि नीति के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए क्षेत्रीय असमानताओं को कम करना आवश्यक है।

डिजिटल शिक्षा और कौशल विकास के क्षेत्र में NEP 2020 ने महिलाओं के लिए रोजगारोन्मुख शिक्षा के अवसर बढ़ाए हैं, जिससे महिला सशक्तिकरण को बल मिला है। शिक्षित और कौशलयुक्त महिलाएँ आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनकर समाज और राष्ट्र के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे सकती हैं।

अतः निष्कर्षतः कहा जा सकता है कि NEP 2020 नारी शिक्षा के लिए एक सकारात्मक और परिवर्तनकारी पहल है, किंतु इसके पूर्ण लाभ प्राप्त करने के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल अवसंरचना का विकास, जागरूकता कार्यक्रमों का विस्तार तथा जेंडर-संवेदनशील नीतियों का प्रभावी क्रियान्वयन अत्यंत आवश्यक है।

संदर्भ सूची

1. Ministry of Education, Government of India. (2020). *National Education Policy 2020*. New Delhi: Government of India.
2. Ministry of Education. (2021). *All India Survey on Higher Education (AISHE) 2020–21*. New Delhi: Government of India.
3. National Sample Survey Office. (2019). *Household Social Consumption on Education in India*. New Delhi: Ministry of Statistics and Programme Implementation.
4. UNESCO. (2020). *Global Education Monitoring Report 2020: Gender Report*. Paris: UNESCO Publishing.
5. UNESCO. (2021). *Reimagining our futures together: A new social contract for education*. Paris: UNESCO Publishing.
6. World Bank. (2020). *Gender equality and development*. Washington, DC: World Bank Publications.
7. Sen, A. (1999). *Development as freedom*. Oxford: Oxford University Press.
8. Nair, S., & Menon, R. (2020). Digital divide and women's education in India. *International Journal of Educational Development*, 75, 102–115.
9. Kaur, P., & Singh, A. (2021). ICT and women empowerment through education. *Indian Journal of Gender Studies*, 28(3), 345–360.
10. Sharma, R. (2021). Women education and digital learning in India. *Journal of Educational Technology*, 18(2), 45–60.